पाठ 3

# इसे जगाओ

भई, सूरज
ज़रा इस आदमी को जगाओ!
भई, पवन
ज़रा इस आदमी को हिलाओ।
यह आदमी जो सोया पड़ा है,
जो सच से बेख़बर
सपनों में खोया पड़ा है।
भई, पंछी
इसके कानों पर चिल्लाओ!
भई, सूरज! ज़रा इस आदमी को जगाओ!
वक्त पर जगाओ,
नहीं तो जब बेवक्त जागेगा यह
तो जो आगे निकल गए हैं
उन्हें पाने घबरा के भागेगा यह।
घबरा के भागना अलग है
क्षिप्र गति अलग है
क्षिप्र तो वह है
जो सही क्षण में सजग है
सूरज इसे जगाओ।
पवन इसे हिलाओ।
पंछी इसके कानों पर चिल्लाओ।

भवानीप्रसाद मिश्र

## शब्दार्थ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| पवन | – | हवा, वायु | वक्त | – | समय |
| बेख़बर | – | अनजान | क्षिप्र | – | तेज, तीव्र |
| सजग | – | जागा हुआ, चौकन्ना | ज़रा | – | थोड़ा |

## अभ्यास कार्य

### पाठ से

#### सोचें और बताएँ

1. कविता में किसे जगाने के लिए कहा गया है?
2. पंछी से क्या आग्रह किया गया है?
3. पवन से क्या आग्रह किया गया है?

### लिखें

#### बहुविकल्पी प्रश्न

1. 'भई, सूरज' वाक्यांश में 'भई' संबोधन का प्रकार है–
   (क) औपचारिक (ख) आत्मीय (ग) आदरसूचक (घ) श्रद्धासूचक ( )
2. कविता में 'क्षिप्र' कहा गया है–
   (क) जो घबरा कर भागता है (ख) जो तेज गति से चलता है
   (ग) जो अवसर नहीं चूकता है (घ) जो क्षण भर को सजग रहता ( )

#### लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. इस कविता में कवि सोए हुए को जगाने का अनुरोध क्यों करता है?
2. बेवक्त जागने का क्या परिणाम होता है?
3. इस कविता में कवि ने किस–किससे सोए हुए आदमी को जगाने का आग्रह किया है?
4. घबराकर भागना क्षिप्र गति से अलग कैसे है?

#### दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

1. 'जो सच से बेखबर है, सपनों में खोया पड़ा है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए?
2. कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

### भाषा की बात

1. सूची एक व दो के समान अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए

| सूची–एक | सूची–दो |
|---|---|
| अग्नि | नभ, गगन, व्योम |
| आकाश | आग, पावक, अगन |
| पेड़ | जल, वारि, तोय, |
| पानी | पुत्र, सुत, तनय |
| बेटा | वृक्ष, दरख्त, विटप |

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द बताइए

वक्त सोना सच आगे

3. 'भई, सूरज, इसे जगाओ' पंक्ति में 'भई' शब्द का प्रयोग किया गया है। बोलचाल की हिंदी में अक्सर 'भई' शब्द संबोधन के लिए उपयोग में लिया जाता है। नीचे दिए उदाहरण को पढ़कर आप भी ऐसे तीन वाक्य लिखिए; जैसे– भई, तुम भी तो यह काम कर सकते थे।

4. अंतर बताइए

(क) ज़रा–जरा (ख) राज़–राज

## पाठ से आगे

1. 'इसे जगाओ' कविता में कवि क्या यह कहना चाहता है कि आदमी सपने न देखें? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
2. कविता में सूरज, हवा और पक्षी प्रकृति के इन तीन अवयवों का वर्णन हुआ है। हम इनसे किन गुणों को सीख सकते हैं ?

## यह भी करें

'इसे जगाओ' कविता सरल व सहज शब्दों में सपनों में खोए रहने वाले आदमी को वास्तविकता से परिचित करवाकर जागरूक बनाने का संदेश देती है। कवि अपने संदेश के लिए प्रकृति को माध्यम बनाता है। आप भी सरल भाषा में ऐसी कविता की रचना करें जो भूले–भटकों को राह दिखा सके।

### जानें, गुनें और जीवन में उतारें

न ऋते श्रांतस्य सख्याणःदेवाः।
बिना कष्ट उठाए देवता भी सहायता नहीं करते।